बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना

मुर्गीपालकों के लिए आवश्यक सुझाव

वर्तमान की विकट परिस्थिति में जबकि कोरोना तथा बर्ड फ्लू के संक्रमण के मामले तेजी से सामने आ रहे है तथा बदलते मौसम के परिवेश में निम्न बातों का खयाल रखकर अपने मुर्गीयों को स्वस्थ रखने के साथ – साथ उनकी उत्पादकता भी बरकरार रख सकते हैं।

(1) कुक्कुट प्रक्षेत्र प्रबंधन

- अपने फार्म परिसर को साफ – सूथरा रखें एवं कचरे आदि को जला दें या गड्ढा खोदकर गार दें।
- पूरे प्रक्षेत्र परिसर में जैव सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। इसके लिए निम्न उपाय किये जा सकते हैं –

(क) मुर्गी फार्म के प्रवेश के सिर्फ एक ही द्वार को उपयोग में लावें।

(ख) यह अवश्य सुनिश्चित करें की आपके मुर्गी फर्म में इन दिनो अन्य पक्षी खासकर कौवे आदि का आसरा न होने पावें।

(ग) प्रक्षेत्र परिसर में कर्मियों के अलावे अन्य लोगो का प्रवेश सर्वथा वर्जित रहना चाहिए।

(घ) मुख्य प्रवेश द्वार पर 5 प्रतिशत पोटाशियम परमैगनेट (लाल पोटाश) का घोल रखें। फार्म में प्रवेश के पुर्व कर्मी अपने पैर एवं हाथ उस घोल से धोकर ही प्रवेश करें।

(ङ) उसके बाद 70 प्रतिशत अल्कोहल युक्र हैन्ड सेनेटाइजर से अच्छी तरह हाँथ को सेनेटाइज कर के दस्ताने, मास्क एवं जूते/ गमबुट आदि पहनकर ही फार्म का काम शुरू करें।

(च) प्रत्येक 1 – 2 घंटे के अन्तराल पर प्रक्षेत्र परिसर के लोगों को अपने हॉथ को लाइफबाय साबुन से अच्छी तरह धोते रहना जरूरी है।

(छ) मुर्गी घरों के आस पास एवं नालियों में एक दिन के अन्तराल पर ब्लीचींग पावडर एवं चूना का छिड़काव करते रहना आवश्यक है।

(ज) र्फाम के सभी दरवाजों के हैडल एवं गेट पर 3 प्रतिशत Khersolin TH का छिड़काव प्रतिदिन करना जरूरी है।

(झ) मुर्गी घरों में भी 3 प्रतिशत Khersolin TH का छिड़काव 2 – 3 दिनों के अन्तराल पर लगातार करते रहें।

(ञ) खाली घरों की सफाई करके 5 प्रतिशत फार्मलीन का छिड़काव एक दिन के अन्तराल पर 3 बार करें।

(C) मुर्गी घरों में प्रत्येक सप्ताह बीछाली पर चूना मिलाना चाहिए। 2 किलो चूना प्रति 100 वर्गीफीट (10*10) स्थान के हिसाव से मिलाना चाहिए।

(2) हैचरी प्रबंधन में बरती जाने बाली सावधानिया

I. हैचरी के अन्दर किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश सर्वथा वर्जित रखें।
II. हैचरी स्टाफ भी पूर्णत: उपरोक्र विधि से विसंक्रमित होकर ही अन्दर प्रवेश करें।
III. प्रत्येक दिन 5 प्रतिशत Khersolin TH के घोल से हैचरी को विसंक्रमित करना जरूरी है।
IV. अंडा घर तथा सभी उपकरणों को प्रत्येक 3 दिनों के अन्तराल पर 5 प्रतिशत फार्मलिन का छिड़काव के पश्चात फ्यूमिगेट करना चाहिए।
V. फर्मा के सारे बर्तोनो आदि एवं हैचरी के एग ट्रे, सेटर ट्रे आदि को 5 प्रतिशत लाल पोटाश के घोल से विसंक्रमित करना जरूरी है।

(3) पोषण / आहार प्रबंधन

I. इन दिनो गर्मी लगातार बढ़ रही है। अत: मुर्गीयों को तीन बार साफ ताजा पानी देना आवश्यक है।
II. 2 सप्ताह से कम के चूजों को प्रति 5 लीटर पानी में 2 ग्राम इलेक्ट्रोल तथा 2 मि० ली० विमरॉल सप्ताह में 3 दिन देना आवश्यक है।
III. बड़े मुर्गीयों को 5 मि० ली० विमरॉल प्रति 5 लीटर पानी के साथ रोज देने से वे तनाव मुक्त रहेगी।
IV. 10 – 15 दिनो से अधिक का दाना भंडारित न करें।
V. मुर्गीयों में सुस्ती, लंगडापन, घर - घराहट या बीट के रंग में परिर्वतन की स्थिति में तत्काल निकट के पशुचिकित्सक में संपर्क करें।
VI. अपने मुर्गीयों का टीकाकरण समय पर करवाने के लिए पशुचिकित्सक से संपर्क करें।
VII. विशेष परिस्थिति में आप बिहार पशुविज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के कुक्कुट प्रक्षेत्र से भी वैज्ञानिक सलाह एवं जानकारी प्राप्त कर सकते है।

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना द्वारा जनहित में प्रचारित